Daily Gospel Reflections in Hindi

19 October 2019

लूकस 9 : 18 - 20
The proclamation of faith by Peter

आज का पवित्र सुसमाचार पेत्रुस का विश्वास के बारे मे दर्शाता है। आज का सुसमाचार भाग की समानता संत मत्ति का सुसमाचार अध्याय 16, वाक्याँश 13 से 20 एवं संत मारकुस का सुसमाचार अध्याय 8, वाक्याँश 27 से 30 देखने को मिलता है। संत लुकस के सुसमाचार में जगह का नाम नही दिया है, लेकिन संत मत्ति और मारकुस के सुसमाचार में आज का सुसमाचार भाग का जगह का नाम दिया गया है। केसरिया फिलिपी प्रदेश में ऐसा एक पहाड़ है, जहाँ सब देवी देवताओं की मूर्तियों रखा गया है। उसी के सामने खड़े होकर प्रभु ईसा मसीह उनके शिष्यों से यह प्रश्न पूछते है कि "मैं कौन हुँ, इस विषय में लोग क्या कहते है।" या दूसरे शब्दों में प्रभु पूछते है कि, क्या आप लोग मुझे भी इन देवी देवताओं के समान समझते है?

शिष्यों ने सबसे पहले लोगो के विचारधारा को ईसा के समक्ष रखा। इसके बाद इसा शिष्यों से पूछते है कि, "और तुम क्या कहते हो, कि मैं कौन हुँ।" पेत्रुस उत्तर देते है कि" आप मसीह है, जीवन्त ईश्वर के पुत्र है।" (मत्ति 16:16), "आप मसीह है।" (मारकुस 8:29), "ईश्वर के मसीह।"(लुकस 9:20)।

प्रभु ईसा मसीह ईश्वर होने के बावजूद भी इन्सान बनकर जन्म लिया। प्रभु के प्रवचन, चंगाई और चमत्कारों के ज़रिये शिष्यो को यह समझ में आया, कि ईसा मसीह ईश्वर हैं।

जों प्रश्न प्रभु ईसा मसीह ने अपने शिष्यों से पूछा था, वही प्रश्न आज हमसे भी करते है, "तुम क्या कहते हो कि मैं कौन हुँ।" इसका जवाब हर एक व्यक्ति को देना है। प्रभु ईसा मसीह हमारे जीवन में कौन है, उसी का सही जवाब मिलने के लिये, ईश्वर ने हमारे जीवन मे दिये हुए वरदानो को याद करे, साथ ही साथ ईश्वर संग हमारा रिस्ता कितना गहरा है, उसी के बारे मे मनन चितंन करे। पवित्रात्मा की विशेष कृपा से, ईसा, ईश्वर के पुत्र के रूप मे पहचानने की कृपा के लियें प्रार्थना करेंगे।

Rev. Fr. Alex Pulickaparambil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019